(क) क्या यह सच है कि कुछ दिन पहले केन्द्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन में आपदा संबंधी मॉक ड्रिल की गयी थी और यदि हां, तो इसका क्या प्रयोजन था एवं तत्संबंधी परिणाम क्या हुआ;

(ख) क्या यह भी सच है कि पुलिस को टेट्रा हैंडसेट प्रदान किये गये हैं और मॉक ड्रिल के दौरान इनका प्रयोग किया गया था;

(ग) क्या यह भी सच है कि ये हैंडसेट भूमि के नीचे कारगर नहीं थे; और

(घ) इन सेटों की गुणवत्ता में सुधार के लिए क्या कदम उठाये गये थे?

**उत्तर**

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन)

**(क): जी हां । दिल्ली सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार, दिल्ली आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण और राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा संयुक्त रूप से केन्द्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन सहित दिल्ली, उ० प्र० और हरियाणा के विभिन्न मेट्रो स्टेशनों पर 28 जुलाई, 2012 को मॉक ड्रिल की गई थी ।**

**इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य विभिन्न आपात सहायता कार्यकर्ताओं (इ एस एफ) की प्रतिक्रियाओं की जांच करना, समन्वय में सुधार करना और कमियों का पता लगाना था। मॉक ड्रिल विभिन्न आपात सहायता कार्यकर्ताओं (ई एस एफ) और मेट्रो यात्रियों की भागीदारी से सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी ।**

**(ख) से (घ): जी हां । यह पाया गया है कि विभिन्न ई एस एफ द्वारा उपयोग किए गए टेट्रा सेट सामान्यत: दिल्ली मेट्रो नेटवर्क में भूमि के नीचे कारगर नहीं हैं । टेट्रा वायरलेस के सेवा प्रदाता और दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन को इस समस्या का समाधान ढूंढने के लिए कहा गया है ।**